THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) No decision to set up a Petro-chemicals complex at Vishakhapatnam has been taken so far.

(b) Does not arise.

Conversion of Guntakal-Bangalore Line

3869. SHRI G. S. REDDI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the proposed conversion of Guntakal-Bangalore line would be completed in the financial year 1978-79; and

(b) if so, details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) and (b). Uptodate progress of conversion work is 48 per cent. The project is likely to be completed by 1983 subject to availability of adequate funds from year to year.

Manufacture of Medicines by IDPL

3870. SHRI MOHINDER SINGH SAYIANWALA: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether in spite of best standards maintained by IDPL in manufacturing medicines there is a communications gap between the undertaking and the medical practitioners in the country who are still crazy for foreign medicines and to prescribe the same; and

(b) what steps are being taken to have complete report between the two?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) and (b). As per a recent study by teams of the Indian Medical Association, there appears to be a deep-rooted belief amongst a section of the medical profession about the efficiency of foreign products and also there is lack of publicity and propaganda on the part of IDPL directed particularly to the members of the medical profession.

IDPL have already undertaken the task of strengthening its field force and intensifying a press and advertisement campaign both in the lay press as well as in medical journals, with a slant towards creating institutional publicity for the corporate image of the company and its products. They are also contemplating a direct mail service which would reinforce calls made by its medical representatives on various doctors, which will furnish the medical profession with comprehensive literature and technical information on the IDPL products. Areas not so far covered by medical representatives will soon be covered. Participation by technical experts of IDPL in conferences of the medical profession would also be ensured with proper audo-visual presentations.

Agitation by A.I. Station Masters Association

3871. SHRI RAM PRAKASH TRIPATHI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether he is aware of uniform boycott agitation launched by All India Station Masters Association;

(b) whether Government propose to supply the cloth with stitching charges as done to higher officers in the Military; and

(c) whether he would look into it as the Association is going to boycott uniforms from March, 1978?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) Yes.

(b) and (c). No; however, the procedure for the manufacture and supply of uniform has since been streamlined with a view to avoiding any complaints from the staff, and to ensuring individual measurements being taken.

शकरपुर क्षेत्र में रेलवे स्टेशन

3872. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय :** क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जमना पार दिल्ली के शकरपुर क्षेत्र में एक रेलवे स्टेशन बनाये जाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और

(ख) यदि नहीं, तो क्या इस क्षेत्र के निवासियों की कठिनाइयों को देखते हुए सरकार का विचार भविष्य में इस क्षेत्र में एक नया रेलवे स्टेशन बनाने का है तथा कब तक ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) और (ख). यमुना पार क्षेत्र में तिलक ब्रिज और साहिबाबाद स्टेशनों के बीच कि० मी० 310-11 पर एक हलट खोलने के प्रस्ताव की जांच की गयी थी किन्तु वित्तीय दृष्टि से न तो इसका औचित्य पाया गया और न ही परिचालनिक दृष्टि से इसे व्यावहारिक ।

डीजल की मांग

3873. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय :** क्या **पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पेट्रोल का मूल्य बढ़ाने के कारण कारों, ट्रकों और जेनरेटरों में पेट्रोल के स्थान पर डीजल की मांग बहुत अधिक बढ़ गई है;

(ख) क्या यह सच है कि इसके परिणामस्वरूप देश में विभिन्न स्थानों पर कृषि प्रायोजनों (अर्थात् डीजल पम्प और ट्रैक्टर आदि) के लिए डीजल प्राप्त करना बहुत कठिन हो गया है,

(ग) क्या यह भी सच है कि पेट्रोल का मूल्य बढ़ने के कारण डीजल से चलने वाली कारें और ट्रक चलने लगे हैं और क्या इससे डीजल का प्रयोग बहुत अधिक बढ़ गया है और पेट्रोल का प्रयोग कम हो गया है, और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार का संतुलन बनाये रखने की दृष्टि से पेट्रोल की कीमत में कमी करने का विचार है ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क), (ख) और (ग) : भारी भरकम वाणिज्यक गाड़ियां परम्परागत रूप में ईंधन के रूप में डीजल का प्रयोग कर रही हैं । हल्की वाणिज्यिक गाड़ियों और जीपों के सम्बन्ध में, पेट्रोल इंजनों को डीजल इंजनों में बदले जाने के मामले नोटिस में आये हैं : संगठित क्षेत्र में यात्री कारों के मामले में इस प्रकार के परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी गई है, परन्तु कुछ निजी कार के मालिकों ने अपने आप अपनी कारों में डीजल इंजन लगा दिये हैं : इन इंजनों के परिवर्तन करने की प्रक्रिया में हाई स्पीड डीजल तेल के सामान्य रूप से कुल उत्पादन की तुलना में इसकी मांग में मामूली वृद्धि के प्रति योगदान हुआ है : आमतौर पर कृषि क्षेत्र के लिए हाई स्पीड के मिलने में कोई कठिनाई नहीं आई है और तेल कम्पनियों को हिदायतें